डॉ मनसुख मांडविया का प्रोफाइल

डॉ मनसुख मांडविया भारत सरकार में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री और रसायन और उर्वरक मंत्री हैं। मांडविया का जन्म गुजरात राज्य के पलिताना जिले के हनोल नामक एक छोटे से गाँव में एक मध्यमवर्गीय किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने भावनगर विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है।

मांडविया अपनी युवावस्था से ही राजनीति और लोगों की सेवा करने में अत्यंत सक्रिय थे। वह एबीवीपी के सदस्य बन गए और जल्द ही उन्होंने एबीवीपी, गुजरात इकाई के राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में पद हासिल कर लिया। उनकी बुद्धि, कौशल और कड़ी मेहनत करने के उत्साह को देखकर उन्हें युवा मोर्चा का नेता और फिर पलिताना भाजपा इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उनके नाम गुजरात में सबसे कम उम्र के विधायक होने का रिकॉर्ड भी है।

लोगों की सेवा करने और उनका उत्थान करने के लिए कड़ी मेहनत करना उनका एकमात्र लक्ष्य था और इस प्रकार उन्होंने बालिका शिक्षा, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और व्यसन हटाओ के लिए 123 किमी और 127 किमी की दो पदयात्राओं का आयोजन किया। 38 साल की छोटी उम्र में उन्हें राज्यसभा के सदस्य के रूप में चुना गया था। वह विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न स्थायी समितियों का भी हिस्सा थे।

उनकी कड़ी मेहनत और बुद्धिमत्ता के साथ, उन्हें 2013 में भाजपा की राज्य इकाई के सचिव और 2014 में महासचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। बाद में 2014 में, उन्हें भाजपा के हाई-टेक और मेगा सदस्यता अभियान के गुजरात राज्य प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया, जिसके कारण गुजरात में 1 करोड़ लोग बीजेपी में शामिल हुए।

मांडविया अपने बौद्धिक विश्लेषण और विचार नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं, जिसे उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में "सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा" पर अपने भाषण में भी प्रदर्शित किया था। उन्होंने कई देशों की यात्रा की है ताकि उनकी नीतियों और प्रबंधन को समझकर भारत को सबसे तेज गति से बढ़ने में मदद मिल सके।

5 जुलाई, 2016 को उन्होंने भारत सरकार में सड़क परिवहन और राजमार्ग, पोत परिवहन और रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली। एक मंत्री के रूप में कार्य करते हुए, उन्होंने काम जल्दी और कुशलता से करने के लिए बहुत सारी योजनाओं और विचारों को लागू किया है।

उन्हें मार्च, 2018 के दौरान राज्यसभा सदस्य के दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया।

अपने निर्णायक और मजबूत नेतृत्व के साथ, उन्होंने प्रति दिन सड़क निर्माण की गति बढ़ाने, यूरिया और अन्य उर्वरकों की लागत को कम करने, सस्ती दरों पर 800 से अधिक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए 4000 से अधिक जन औषधि स्टोर स्थापित करने और हार्ट स्टेंट, घुटनों के प्रत्यारोपण की लागत को कम करने में मदद की है। इसके अतिरिक्त उन्होंने आम आदमी, किसानों और कारोबारियों की मदद के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है.

मांडविया विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा रहे हैं, समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने और अन्य राष्ट्रों के साथ द्विपक्षीय संबंध विकसित करने के लिए दो बार राष्ट्रपति के साथ और एक बार उपराष्ट्रपति के साथ रहे हैं। एशियाई महाद्वीप में उन्होंने चीन, इज़राइल, ओमान, नेपाल, दुबई और उज्बेकिस्तान का दौरा किया है

उन्होंने इंग्लैंड और जर्मनी जैसे यूरोपीय देशों, ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे दक्षिण अमेरिकी देशों का भी दौरा किया। उन्होंने केन्या, युगांडा, तंजानिया, रवांडा, अल्जीरिया, इक्वेटोरियल गिनी और जाम्बिया जैसे अफ्रीका

के कई देशों का दौरा किया है। ओशिनिया क्षेत्र में, श्री मांडविया ने न्यूजीलैंड, टोंगा, फिजी और ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया।

उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, संगठनात्मक कौशल और बुद्धिमत्ता के साथ नए भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

2019 में पुन: उन्होंने भारत सरकार में पोत परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली।

07.07.2021 से, उन्हें भारत सरकार में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और रसायन और पेट्रोरसायन मंत्री के रूप में पदोन्नत किया गया।